दैनिक जागरण
Copyright © 2014 Jagran Prakashan Limited.

रिलायंस कैपिटल की किस्मत का ताला अनमोल ने खोला

मुंबई, आइएएनएस/प्रेट्र : अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल (आरकैप) की किस्मत का ताला उनके अनमोल 'रतन' ने खोल दिया है। खुद अनिल ने ही आरकैप की मंगलवार को हुई सालाना आमसभा (एजीएम) में उन्हें आरकैप के अच्छे दिन लाने वाला बताया है। यह रतन कोई और नहीं, उनके सुपुत्र अनमोल अंबानी हैं, जिन्हें हाल ही में कंपनी का डायरेक्टर बनाया गया है।

आरकैप के चेयरमैन अनिल अंबानी ने 24 वर्षीय अनमोल को शेयरधारकों से रूबरू कराते हुए कहा कि बोर्ड में बेटे के आने के बाद कंपनी के शेयरों की कीमत में 40 फीसद का उछाल आया है। 'मुझे उम्मीद ही नहीं, पक्का भरोसा है कि यह 'अनमोल प्रभाव' आगे भी जारी रहेगा। आशा है कि इसे भी आपका सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा। अनमोल कंपनी में युवा ऊर्जा लेकर आया है।' उन्हें आरकैप के बोर्ड में इसी साल 23 अगस्त को शामिल किया गया था। वह 2014 से ही इस कंपनी में विभिन्न पदों पर काम कर रहे हैं। अनमोल ने ब्रिटेन के वॉरविक बिजनेस स्कूल से ग्रेजुएशन किया है। वह निप्पन लाइफ

कंपनी की सालाना आमसभा

- अनिल अंबानी बोले, भाग्यशाली साबित हुआ बेटा
- अनिल ने सुपुत्र को शेयरधारकों से रूबरू कराया

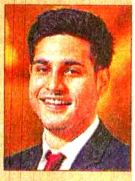

के साथ उस वार्ता में शामिल रहे हैं, जिसके बाद जापानी कंपनी ने रिलायंस लाइफ में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का फैसला किया। निप्पन ने बीमा कारोबार में अब तक 9,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

रोजा पावर प्लांट की क्षमता होगी दोगुनी : इसी दिन हुई रिलायंस पावर की एजीएम में अंबानी ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में स्थित रोजा थर्मल पावर प्लांट की उत्पादन क्षमता दोगुनी करने का एलान किया। फिलहाल इस पावर प्लांट की बिजली उत्पादन क्षमता 1,200 मेगावॉट है। इसे बढ़ाकर 2,400 मेगावॉट किया जाएगा। इसके अलावा कंपनी के महाराष्ट्र के बूटीबोरी पावर प्लांट की बिजली उत्पादन क्षमता भी 600 मेगावॉट से बढ़ाकर 1,200 मेगावॉट की जाएगी।

75 फीसद घटेगा आरकॉम का कर्ज : अनिल अंबानी ने अपनी दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) की एजीएम को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक साल में इस कंपनी के कर्ज बोझ को 75 फीसद तक घटाएंगे। आरकॉम पर फिलहाल 42,650 करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी के साथ एमटीएस और एयरसेल की विलय प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी।

रिलायंस डिफेंस करेगी निर्यात : इसी दिन रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की एजीएम में अनिल ने कहा कि सहयोगी कंपनी रिलायंस डिफेंस का दूसरे देशों को सैन्य साजो-सामान निर्यात करने का इरादा है। कंपनी भारत में नौसेना, वायुसेना और थलसेना से जुड़े उपकरणों की सप्लाई की तैयारी कर रही है।